भारत सरकार
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 3661
उत्तर देने की तारीख: 16.03.2020

शैक्षणिक संस्थानों की स्थापना

3661. श्रीमती गीता कोडाः
श्री कुनार हेम्ब्रमः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का विचार झारखण्ड और पश्चिम बंगाल में नए केन्द्रीय विद्यालय, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान और भारतीय प्रबंधन संस्थान स्थापित करने का है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ग) उक्त संस्थानों को कब तक स्थापित किए जाने का प्रस्ताव है; और
(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर
मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क) से (घ) : केंद्रीय विद्यालयों को खोलना एक सतत प्रक्रिया है। केन्द्रीय विद्यालय (केवि) मुख्य रूप से रक्षा कर्मियों सहित स्थानांतरणीय केंद्रीय सरकार के कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षा का समान कार्यक्रम प्रदान कर उनकी शैक्षिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए खोले जाते हैं। नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के प्रस्ताव पर तभी विचार किया जाता है, यदि वह मंत्रालय अथवा भारत सरकार के विभागों/राज्य सरकार/संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों द्वारा प्रायोजित हो, जिसमें नए केंद्रीय विद्यालय की स्थापना के लिए संसाधनों की प्रतिबद्धता के साथ-साथ सरकार का आवश्यक अनुमोदन उपलब्ध हो। नए केंद्रीय विद्यालय खोलने के लिए विभिन्न प्रायोजक प्राधिकरणों से प्राप्त प्रस्तावों को "चुनौती पद्धति" के तहत अन्य प्रस्तावों के साथ प्रतिस्पर्धा भी करनी होती है। देश में, मार्च, 2019 में झारखंड में 2 केंद्रीय विद्यालयों और पश्चिम बंगाल में 3 केंद्रीय विद्यालयों सहित 50 नये केंद्रीय विद्यालय संस्वीकृत किए गए थे।

जमशेदपुर (झारखंड) और दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) पहले से ही चल रहे हैं और रांची (झारखंड) तथा कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में भारतीय प्रबंध संस्थान (आईआईएम) चल रहे हैं। झारखंड और पश्चिम बंगाल में नये एनआईटी और आईआईएम खोलने का फिलहाल कोई प्रस्ताव नहीं है।

*****